गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

# गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 244
दि. 04.01.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा


# प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में भगवान बुद्ध से संबंधित पिपरहवा पवित्र अवशेषों की भव्य अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

**भारत के लिए, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल कलाकृतियाँ नहीं हैं; ये हमारी पूजनीय विरासत का और हमारी सभ्यता का अभिन्न हिस्सा हैं: प्रधानमंत्री**

**भगवान बुद्ध के दिखाए गये ज्ञान और मार्ग संपूर्ण मानवता के लिए हैं: प्रधानमंत्री**

**भगवान बुद्ध सभी के हैं और हम सभी को एकताबद्ध करते हैं: प्रधानमंत्री**

**भारत भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का न केवल संरक्षक है, बल्कि उस शाश्वत परंपरा का जीवित संवाहक भी है: प्रधानमंत्री**

**भारत ने दुनिया भर में बौद्ध विरासत स्थलों के विकास में योगदान देने के निरंतर प्रयास किए हैं: प्रधानमंत्री**

**भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ मूलतः पाली भाषा में हैं, हमारा प्रयास है कि पाली भाषा को बड़े स्तर पर लोगों तक पहुँचाया जाए और इसके लिए पाली को प्राचीन भाषा का दर्जा दिया गया है: प्रधानमंत्री**

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से संबंधित पिपरहवा के पवित्र अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसका शीर्षक है, ह्लप्रकाश और कमलः ज्ञान प्राप्त व्यक्ति के अवशेषह्व। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक सौ पच्चीस वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भारत की धरोहर लौट आई है, भारत की विरासत वापस आ गई है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आज से भारत के लोग भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों को देख पाएंगे और उनके आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे। श्री मोदी ने इस शुभ अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। उन्होंने उल्लेख किया कि बौद्ध परंपरा से जुड़े संत और धमार्चार्य भी उपस्थित हैं। उन्होंने उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी उपस्थिति इस कार्यक्रम को नई ऊर्जा प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि 2026 की शुरूआत में यह शुभ उत्सव अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने इच्छा जताई कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से वर्ष 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव के एक नए युग की शुरूआत करे।

प्रधानमंत्री ने बताया कि जिस जगह पर यह प्रदर्शनी लगाई गई है, वह स्वयं ही विशेष है। उन्होंने रेखांकित किया कि कि ला राय पिथौरा भारत के गौरवशाली इतिहास की भूमि है, जहाँ लगभग एक हजार साल पहले शासकों ने एक शहर की स्थापना की थी, जिसे मजबूत और सुरक्षित दीवारों से घेरा गया था। उन्होंने उल्लेख किया कि आज इसी ऐतिहासिक शहर परिसर में इतिहास का एक आध्यात्मिक और पवित्र अध्याय जोड़ा जा रहा है। श्री मोदी ने कहा कि यहां आने से पहले उन्होंने इस ऐतिहासिक प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारे बीच भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के होने से हम सभी को आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका भारत से जाने और अंततः वापसी, दोनों ही अपने आप में महत्वपूर्ण पाठ हैं। श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि पाठ यह है कि गुलामी केवल राजनीतिक और आर्थिक हितों को ही नुकसान नहीं पहुंचाती है, बल्कि यह हमारी धरोहर को भी नष्ट कर देती है। उन्होंने उल्लेख किया कि यही भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ हुआ, जिन्हें गुलामी के समय में देश से बाहर ले जाया गया और लगभग एक सौ पच्चीस वर्षों तक अवशेष विदेश में रहे। उन्होंने यह भी बताया कि जो लोग

इन्हें लेकर गए, उनके और उनके वंशजों के लिए, ये अवशेष केवल निर्जीव प्राचीन वस्तुएं थीं। इसी कारण से उन्होंने इन पवित्र अवशेषों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलामी के लिए पेश करने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत के लिए ये अवशेष हमारी पूजनीय देवता का हिस्सा हैं, हमारी सभ्यता का अविभाज्य हिस्सा हैं। उन्होंने घोषणा की कि भारत ने तय किया कि उनकी सार्वजनिक नीलामी की अनुमति नहीं दी जाएगी। श्री मोदी ने गोदरेज समूह के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि उनके सहयोग से भगवान बुद्ध से जुड़े ये पवित्र अवशेष उनकी कर्मभूमि, उनकी चिंतन भूमि, उनकी महाबोधि भूमि और उनकी महापरिनिर्वाण भूमि में लौट आए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लभगवान बुद्ध का ज्ञान और उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग समस्त मानवता का हैह्व, और इस भावना का अनुभव पिछले कुछ महीनों में बार-बार किया गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले कुछ महीनों में जहां-जहां भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पहुंचे हैं, वहां श्रद्धा और भक्ति की भावना उठी है। श्री मोदी ने कहा कि थाईलैंड में, जहां इन पवित्र अवशेषों को विभिन्न स्थानों पर रखा गया था, एक महीने से भी कम समय में चालीस लाख से अधिक भक्त इनका दर्शन करने आए। उन्होंने जोर देकर कहा कि वियतनाम में, जनता की भावना इतनी प्रबल थी कि प्रदर्शनी की अवधि बढ़ानी पड़ी, और नौ शहरों में लगभग 1.75 करोड़ लोगों ने अवशेषों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने यह भी इंगित किया कि मंगोलिया में, हजारों लोग गंदन मठ के बाहर घंटों इंतजार करते रहे, और कई लोग केवल इसलिए भारतीय प्रतिनिधियों को छूना चाहते थे, क्योंकि वे बुद्ध की भूमि से आए थे। उन्होंने रेखांकित किया कि रूस के किल्मिकिया क्षेत्र में, केवल एक सप्ताह में ही 1.5 लाख से अधिक भक्तों ने पवित्र अवशेषों को देखा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूस के काल्मिकिया क्षेत्र में, केवल एक सप्ताह में ही 1.5 लाख से अधिक भक्तों ने पवित्र अवशेषों को देखा, जो स्थानीय जनसंख्या के आधे से अधिक है। विभिन्न देशों में इन आयोजनों में, चाहे आम नागरिक हों या सरकार के प्रमुख, सभी समान श्रद्धा के साथ एकजुट थे, इस बात पर ध्यान आकर्षित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध सभी के हैं और सभी को आपस में जोड़ते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वे खुद को बहुत भाग्यशाली मानते हैं, क्योंकि भगवान बुद्ध का उनके जीवन में गहरा प्रभाव है, उन्होंने याद किया कि उनका जन्म-स्थान वडनगर बौद्ध अध्ययन का एक प्रमुख केंद्र था, और सारनाथ, जहाँ भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया, उनकी कर्मभूमि है। उन्होंने साझा किया कि जब भी वे सरकारी जिम्मेदारियों से दूर थे, तो वे बौद्ध स्थलों की यात्रा एक तीर्थयात्री के रूप में करते थे, और प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें दुनिया भर में बौद्ध तीर्थ स्थलों का दौरा करने का अवसर मिला है। उन्होंने नेपाल के लुंबिनी में पवित्र माया देवी मंदिर में नमन करने का अनुभव साझा किया और इसे एक असाधारण अनुभव बताया। श्री मोदी ने यह भी कहा कि जापान के तो-जी मंदिर और किंकाकु-जी में उन्होंने महसूस किया कि बुद्ध के संदेश समय की सीमाओं को पार कर जाते हैं। उन्होंने चीन के शीआन में जाइंट वाइल्ड गूस पगोडा में अपनी यात्रा का उल्लेख किया, जहाँ से बौद्ध ग्रंथ पूरे एशिया में फैले थे, और जहाँ भारत की भूमिका अभी भी याद की जाती है। उन्होंने मंगोलिया में गंदन मठ की अपनी यात्रा को याद किया, जहां उन्होंने बुद्ध की विरासत के साथ लोगों के गहरे भावनात्मक जुड़ाव को देखा। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के अनुराधापुरा में जय श्री महाबोधि को देखना सम्राट अशोक, भिक्षु महिंदा और संघमित्रा द्वारा बोई गई परंपरा से जुड़ने का अनुभव था। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि थाईलैंड में वाट फो और सिंगापुर में बुद्ध टूथ रिलिक मंदिर की उनकी यात्राओं ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के प्रभाव को समझने में उनके अनुभव को और गहरा किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जहाँ भी वे यात्रा करते हैं, वे भगवान बुद्ध की विरासत का एक प्रतीक लाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वे चीन, जापान, कोरिया और मंगोलिया बोधि वृक्ष के पौधे साथ लेकर गये। उन्होंने इस बात पर यह जोर दिया कि कोई भी मानवता के लिए इसके गहरे संदेश की कल्पना कर सकता है, जब हिरोशिमा के बोटैनिकल गार्डन में एक बोधि वृक्ष मौजूद हो, जो परमाणु बम से प्रभावित शहर है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रेखांकित किया कि भगवान बुद्ध की यह साझा विरासत इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल राजनीति, कूटनीति और अर्थव्यवस्था के माध्यम से नहीं जुड़ा है, बल्कि गहरे संबंधों के माध्यम से भी जुड़ा है। श्री मोदी ने कहा कि भारत मन और भावनाओं, आस्था और आध्यात्मिकता के माध्यम से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने उत्साहित होकर कहा, ह्लभारत न केवल भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का संरक्षक है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवित संवाहक भी है ह्व उन्होंने कहा कि पिपरहवा, वैशाली, देवनी मोरी और नागार्जुनकोंडा में पाये गए भगवान बुद्ध के अवशेष बुद्ध के संदेश की जीवित उपस्थिति है। उन्होंने पुष्टि की कि भारत ने इन अवशेषों को हर रूप में -विज्ञान और आध्यात्मिकता- दोनों के माध्यम से सुरक्षित और संरक्षित किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार विश्वभर में बौद्ध धरोहर स्थलों के विकास में योगदान देने का प्रयास किया है। उन्होंने उल्लेख किया कि जब नेपाल में भयंकर भूकंप ने एक प्राचीन स्तूप को नुकसान पहुंचाया, तो भारत ने इसके पुनर्निर्माण के लिए समर्थन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि बागन, म्यांमार में भूकंप के बाद, भारत ने ग्यारह से अधिक देवस्थलों के संरक्षण का कार्य किया।

# बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत की वंदनीय विरासत का एक अटूट हिस्सा हैं: नरेन्द्र मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भगवान बुद्ध का ज्ञान और उनका दिखाया मार्ग पूरी मानवता के लिए है तथा बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल अवशेष नहीं हैं, बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का एक अटूट हिस्सा हैं।

नेशनल डेस्क: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भगवान बुद्ध का ज्ञान और उनका दिखाया मार्ग पूरी मानवता के लिए है तथा बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल अवशेष नहीं हैं, बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का एक अटूट हिस्सा हैं। साल 1898 में मिले पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध सभी के हैं और सभी लोगों को एकजुट करते हैं।

उन्होंने बौद्ध विद्वानों, राजनयिकों और अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कहा, 'भारत के लिए, बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल अवशेष नहीं हैं, बल्कि हमारी वंदनीय विरासत व सभ्यता का एक अटूट हिस्सा हैं। मोदी ने कहा कि 125 वर्ष प्रतीक्षा करने के बाद, भारत की विरासत लौट आई है।

उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का ज्ञान और उनका दिखाया मार्ग पूरी मानवता के लिए है। मोदी ने बुद्ध के अवशेषों की उनकी मातृभूमि पर वापसी सुनिश्चित करने के लिए गोदरेज समूह का आभार व्यक्त किया। पिपरहवा अवशेषों का बौद्ध धर्म के आरंभिक पुरातात्विक अध्ययन में एक खास स्थान है।

## केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने राज्यों के साथ कृषि योजनाओं एवं बजट उपयोग की समीक्षा की

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (PM-RKVY), कृषोन्नति योजना (KY) समेत विभिन्न केंद्रीय कृषि योजनाओं की प्रगति एवं बजट उपयोग की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छोटे-छोटे प्रशासनिक एवं प्रक्रियागत मुद्दों के कारण कई बार बजट आवंटन में देरी होती है।

# भारत निर्वाचन आयोग ने ईसीआईनेट में सुधार के लिए नागरिकों से 10 जनवरी तक सुझाव आमंत्रित किए हैं

(जीएनएस)।

भारत निर्वाचन आयोग सभी नागरिकों को ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड करने और ऐप में मौजूद 'सुझाव प्रस्तुत करें' टैब का उपयोग कर ऐप को बेहतर बनाने की दिशा में अपने सुझाव देने के लिए आमंत्रित करता है। नागरिक 10 जनवरी, 2026 तक अपने सुझाव दे सकते हैं।

नए ईसीआईएनईटी ऐप के प्रयोगात्मक प्रारूपों से मतदाताओं को बेहतर सेवाएं मिलेंगी, मतदान प्रतिशत के रुझान तेजी से उपलब्ध होंगे और मतदान समाप्त होने के 72 घंटों के भीतर इंडेक्स कार्ड प्रकाशित किए जा सकेंगे, जो प्रक्रिया पहले कई हफ्तों या महीनों में पूरी हो जाती थी। इस ऐप का बिहार विधानसभा चुनाव 2025 और उपचुनावों के दौरान सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

सीईओ, डीईओ, ईआरओ, ऑब्जर्वर और फील्ड अधिकारियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर इस प्लेटफॉर्म को लगातार बेहतर और परिष्कृत किया जा रहा है। उपयोगकर्ताओं के सुझावों की जांच की जाएगी और प्लेटफॉर्म को और अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के लिए अपडेट किया जाएगा। ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म को इस महीने आधिकारिक तौर पर शुरू किया जाएगा।

ईसीआईनेट, मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ शुरू की गई आयोग की प्रमुख पहलों में से एक है। ईसीआईनेट ऐप के विकास पर काम 4 मई, 2025 को इसकी घोषणा के बाद शुरू हुआ। ईसीआईनेट ऐप नागरिकों के लिए एक एकीकृत ऐप है जो पहले से मौजूद 40 अलग-अलग चुनाव संबंधी एप्लिकेशन/वेबसाइटों जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप (वीएचए), सीविजिल, सक्षम, पोलिंग ट्रेंड्स (मतदाता मतदान ऐप), नो योर कैंडिडेट (केवाईसी) ऐप को एक ही इंटरफेस में एकीकृत करता है।

यह ऐप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर दोनों से डाउनलोड किया जा सकता है।

# बिहार में बुजुर्गों को अब घर पर मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं, मुख्यमंत्री नीतीश ने की नई योजना की घोषणा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बुजुर्गों को उनके घर पर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की योजना शुरू करने की घोषणा की। सीएम ने स्वास्थ्य विभाग को नीतीश कुमार सरकार की 'सात निश्चय' पहल के तहत आने वाली इस योजना को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने का निर्देश दिया है। एक पोस्ट में लिखा, "4 नवंबर 2005 को राज्य में जब से हमलोगों की सरकार बनी तब से न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए हम लोगों ने समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान एवं हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है।"

उन्होंने लिखा, पूरे बिहार को अपना परिवार माना है और सबके मान और सम्मान का पूरा ख्याल रखा है। अब राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सम्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें, इसे लेकर हमलोगों ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है।"

बुजुर्गों को मिलेंगी ये सुविधाएं

नीतीश ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2025 से 2030 के लिए राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना तथा उनके जीवन को और भी आसान बनाना है।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले हम लोगों की कोशिश है कि राज्य के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को जरूरत के समय उनके घर पर ही अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। जैसे-

1. नर्सिंग सहायता की सुविधा।
2. घर पर ही पैथोलॉजी जांच की सुविधा।
3. ब्लड प्रेशर जांच और ईसीजी जांच की सुविधा।
4. फिजियोथेरेपी की सुविधा।
5. आपातकालीन स्थिति में सभी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता।

राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधित उपरोक्त सभी सुविधाएं उन्हें घर पर ही मिल सकें, इसे लेकर हम लोगों ने स्वास्थ्य विभाग को तेजी से काम करने का निर्देश दिया है।

सरकार को दे सकते हैं सुझाव

कुमार ने कहा, "राज्य के वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए और कौन सी सुविधाएं दी जा सकती हैं, इसकी पहचान करना भी जरूरी है। इस संबंध में, यदि आप कोई विशेष सुझाव देना चाहते हैं, तो आप अपने बहुमूल्य सुझाव भेज सकते हैं।"

# जीतू पटवारी ने इंदौर मामले में सरकार को दी कड़ी चेतावनी, 11 तारीख के लिए कर दी बड़ी घोषणा

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी से हो रही मौतों का आकंड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। 15 से ज्यादा मौतों की जानकारी सामने आई है हालांकि आधिकारिक पुष्टि 6 की हुई है। भागीरथपुरा में हुई इस त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है...

भोपालः मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी से हो रही मौतों का आकंड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। 15 से ज्यादा मौतों की जानकारी सामने आई है हालांकि आधिकारिक पुष्टि 6 की हुई है। भागीरथपुरा में हुई इस त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इंदौर के दो बीजेपी नेताओं जिनमें नगरीय प्रशासन विभाग के मंत्री और स्थानीय विधायक कैलाश विजयवर्गीय और इंदौर मेयर पुष्यमित्र भार्गव की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बड़ी मांग रखते हुए सरकार को कड़ी चेतावनी दी है।

जीतू पटवारी ने दो टूक कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को कैलाश विजयवर्गीय से इस्तीफा लेना चाहिए। जीतू पटवारी ने कहा कि विजयवर्गीय सीएम मोहन की रीढ़ की हड्डी है। मोहन यादव को तुरंत एक्शन लेते हुए विजयवर्गीय को बर्खास्त करना चाहिए, उनसे इस्तीफा लेना चाहिए।

जीतू पटवारी ने कहा कि कुछ अधिकारियों के ट्रांसफर करने से उनका मुआवजा नहीं मिलता है। सिस्टम का फेलियर है। करप्शन उसका मूल हथियार है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों की ठेकेदारों में हिस्सेदारी है, वे सब भारतीय जनता पार्टी के नेता है। मेयर, निगमायुक्त को जो संबंधित लोग हैं, उनपर गैर इरादतन हत्या का मुकद्दमा दर्ज होना चाहिए। मंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए।

जीतू ने आगे कहा कि मामले में लीपापोती करके, 2 लाख का मुआवजा देकर 16 मौतों का हिसाब नहीं किया जा सकता। ये अन्याय है। कांग्रेस पार्टी 11 तारीख को इसके खिलाफ इंदौर में पूरे प्रदेश स्तर का विरोध प्रदर्शन करेगी।

जीतू ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि 11 तारीफ से पहले कैलाश विजयवर्गीय का इस्तीफा नहीं हुआ तो वे हजारों लोगों के साथ मां अहिल्या की नगरी में सरकार को मजबूर करेगी कि जिस मंत्री का दायित्व था उसके कारण 16-16 लोगों की मौत हुई, उसका इस्तीफा होना चाहिए।

# सम्पादकीय

## न्यूयार्क के सबसे युवा, पहले मुसलमान और दक्षिण एशियाई मूल के मेयर बने ममदानी

जोहरान ममदानी ने एक जनवरी 2026 को न्यूयार्व के मेयर पद की शपथ ले ली है। वह शहर के 111वें मेयर और बीते 100 साल में सबसे कम उम्र के मेयर बनकर इतिहास रच चुके हैं। शहर के 111वें मेयर के तौर पर जोहरान ममदानी ने एक पुराने सबवे में आयोजित निजी समारोह में कुरान को हाथ में ले शपथ ली। क्वीन्स प्रांत के प्रातिनिधि रह चुके 34 वषाय ममदानी अब अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर बनने वाले दक्षिण एशियाई मूल के और मुस्लिम समुदाय के पहले व्यक्ति हो गए हैं। जोहरान ममदानी ने कभी अपने मुस्लिम होने को छिपाया नहीं बल्कि खुलकर कहा मैं एक मुसलमान हूं। 34 साल के ममदानी 100 साल से भी अधिक समय में न्यूयार्व के सबसे युवा, पहले मुसलमान और दक्षिण एशियाई मूल के मेयर बने हैं। मेयर पद के लिए मुख्य मुकाबला जोहरान ममदानी और एंड्रयू वुओमो के बीच था। उनके चुनाव ने प्रोग्रोसिव लोगों के लिए एक बड़ा बदलाव लाया जो शहर के राजनीतिक वेंद्र में बदलाव का संकेत था। चुनाव जीतने के बाद ममदानी ने आधे घंटे लंबे भाषण में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव से पहले ममदानी को वोट न देने की अपील की थी। उन्होंने प्री बस सेवा, यूनिवर्सल चाइल्डकेयर और बढ़ती महंगाई काबू करने समेत अपने सभी चुनावी वादों को पूरा करने की बात कही।

जोहरान ममदानी का जन्म 1991 में युगांडा की राजधानी कंपाला में हुआ था। उनके पिता ने उन्हें एक व्रांतिकारी और घाना के पहले प्राधानमंत्री क्वामे एनव्रूमा के नाम पर मिडिल नेम क्वामे दिया था। ममदानी बता दें कि मशहूर भारतीय-अमेरिकी फिल्म निर्देशक मीरा नायर और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के जाने-माने प्रोपेसर महमूद ममदानी के बेटे हैं। ममदानी ने कहा था कि उनका शपथ ग्राहण न्यूयार्व के लिए एक नए युग की शुरूआत का प्रातीक होगा। इससे न्यूयार्व के कामकाजी कर्मचारियों को आवश्यक रूप से वेंद्र में रखा जाएगा। जोहरान ममदानी ने दिल्ली के जेएनयू छात्र नेता और 2020 से जेल में बंद उमर खालिद को एक पत्र लिखकर कहा कि मैं आपको याद कर रहा हूं और आपके बारे में सोच रहा हूं। ममदानी के इस पत्र की भारत सरकार ने आलोचना की है और कहा है कि वे हमारी न्याय व्यवस्था पर प्राश्न उठा रहे हैं जोकि उन्हें कोई अधिकार नहीं है। ममदानी की जीत साधारण जीत नहीं मानी जा सकती। न्यूयार्व खरबपतियों का शहर है जहां पर यहूदी लॉबी बहुत शक्तिशाली है। तमाम उद्योगपतियों के विरोध और यहूदी लॉबी के विरोध के बावजूद ममदानी की जीत ऐतिहासिक मानी जाएगी। एक समय तो खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ममदानी के खिलाफ प्राचार में उतर गए थे और यहां तक कहा था कि देखता हूं यह वैसे जीतता है? ट्रंप उन्हें कम्युनिस्ट तक कह चुके हैं। ममदानी को दाद देनी होगी कि उन्होंने न तो अपने मूल को छुपाया और न ही अपने धर्म को। उनकी जीत से अमेरिका के अंदर सियासी समीकरण बदलने की आशंका जताई जा रही है। उनके व्रांतिकारी वादे जो वुछ-वुछ आम आदमी पाटा के नारों से मिलते हैं, क्या रंग लाते हैं देखना होगा। यह भी देखने लायक होगा कि अब जब ममदानी न्यूयार्व जैसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली शहर के मेयर बन चुके हैं। राष्ट्रपति ट्रंप इनके साथ कौन सा रवैया अपनाते हैं? हम जोहरान ममदानी को उनकी अप्रात्याशित जीत पर हार्दिक बधाईं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वो अपने वादों पर खरे उतरेंगे और अपने समर्थकों को निराश नहीं करेंगे। पर रास्ता आसान नहीं होगा। उन्होंने कांटे भरा रास्ता चुना है।

# न्यूयॉर्क में खुलने जा रहा सबसे अनोखा 'डेटिंग कैफे', एआई से लड़ेगा इश्क; दिल टूटने का भी नहीं होगा डर

(जीएनएस)।

क्या आपने कभी सोचा है कि आप किसी कैफे में जाएं, टेबल पर मोमबत्ती जली हो, माहौल रोमांटिक हो, लेकिन सामने कोई इंसान न बैठा हो?

कल्पना कीजिए एक रोमांटिक शाम की... मद्धम रोशनी, खूबसूरत सजावट, लेकिन टेबल पर कुर्सियां दो नहीं, बल्कि सिर्फ एक। यह किसी फिल्म का सीन नहीं, बल्कि न्यूयॉर्क में जल्द खुलने वाले दुनिया के पहले 'अक डेटिंग कैफे' की तस्वीर है। अब तक एआई के साथ रिश्ते सिर्फ मोबाइल की स्क्रीन तक ही सीमित थे, लेकिन अब 'ईवीए एआई' इस रिश्ते को एक कदम आगे ले जा रहा है। यहां लोग किसी इंसान के साथ नहीं, बल्कि अपने डिजिटल पार्टनर के साथ डेट पर जाएंगे। आइए, विस्तार से जानते हैं इसके बारे में।

क्या है इस अनोखे कैफे का कॉन्सेप्ट?

'ईवीए एआई' नामक रिलेशनशिप ऐप इस अनूठे पॉप-अप कैफे को शुरू कर रहा है। इस कैफे का पूरा कॉन्सेप्ट 'सोलो डेट' यानी खुद के साथ डेट पर आधारित है। यहां की व्यवस्था आम रेस्टोरेंट से बिल्कुल अलग होगी:

सिर्फ एक कुर्सी: हर टेबल पर दो नहीं, बल्कि सिर्फ एक कुर्सी होगी।

फोन स्टैंड: कुर्सी के सामने इंसान की जगह एक फोन स्टैंड लगा होगा।

रोमांटिक माहौल: कैफे में डिम लाइटिंग और मिनिमल डिजाइन के साथ पूरी तरह रोमांटिक माहौल तैयार किया जाएगा।

यहां आने वाले लोग अपने मोबाइल पर ईवीए एआई ऐप खोलकर अपने एआई पार्टनर के साथ बातचीत कर सकेंगे। यहां किसी भी तरह की इंसानी बातचीत की जरूरत नहीं होगी। इसका मकसद लोगों को शांति से अपने डिजिटल साथी के साथ वक्त बिताने का मौका देना और एआई-'मन रिश्तों को नॉर्मल बनाना है।

आखिर लोग एआई को क्यों चुन रहे हैं?

यह ट्रेंड दुनिया भर में बढ़ते

अकेलेपन की समस्या का नतीजा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एआई साथी की सबसे खास बात यह है कि वह न तो कभी थकता है, न नाराज होता है और न ही नखरे दिखाता है। वह 24 घंटे आपके लिए उपलब्ध रहता है। यही वजह है कि कई लोग अब काउंसलर के रूप में भी इनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। हालिया डेटा के मुताबिक, 30 साल से कम उम्र के लगभग हर तीन में से एक पुरुष और हर चार में से एक महिला ने कभी न कभी एआई साथी से बातचीत की है।

इंसानी रिश्तों का अंत या नई शुरूआत?

इस नए चलन पर जानकारों की राय बंटी हुई है। लोगों का मानना है कि एआई हमेशा वही कहता है जो आप सुनना चाहते हैं और कभी आपको रिजेक्ट नहीं करता। उन्होंने चेतावनी दी है कि फिजिकल स्पेस में एआई डेटिंग को लाना कमजोर और अकेले लोगों का फायदा उठाने जैसा हो सकता है।

वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि यह शर्मीले और सामाजिक रूप से असहज लोगों के लिए एक 'प्रैक्टिस स्पेस' की तरह काम कर सकता है, जिससे वे पब्लिक जगहों पर ज्यादा सहज हो सकें। हालांकि, डर यह भी है कि यह लोगों को असली रिश्तों की चुनौतियों और जरूरी भावनात्मक उतार-चढ़ाव से दूर कर सकता है।

कब और कैसे जा सकते हैं यहां?

ईवीए एआई का यह कैफे साल 2026 की पहली तिमाही में न्यूयॉर्क सिटी में खुलने की उम्मीद है। कंपनी ने इसके लिए एक वेटलिस्ट सिस्टम शुरू किया है। इच्छुक लोग ईवीए एआई की वेबसाइट या गूगल फॉर्म के जरिए अपना नाम लिखवा सकते हैं। कैफे के लाइव होते ही लोकेशन और टाइमिंग की जानकारी शेयर की जाएगी।

# इस महीने से दौड़ेगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, 140 किमी. प्रति घंटे होगी रफ्तार; न आवाज और ना ही फैलेगा प्रदूषण

(जीएनएस)।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद पहुंच गई है, जो जींद-सोनीपत रूट पर चलेगी। चेन्नई में बनी यह ट्रेन 110-140 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी और इसमें 2,6 ...और पढ़ें

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन वीरवार की शाम को यहां पहुंच गई। जींद-सोनीपत रूट पर ये ट्रेन चलेगी। इसी माह के अंत तक पटरी पर आने की उम्मीद है। चेन्नई की इंटीग्रल फैक्ट्री में तैयार की गई ये ट्रेन दिल्ली के शकूरबस्ती स्टेशन पर खड़ी थी। जहां से दिल्ली-बठिंडा रेल ट्रैक से होते ये ट्रेन जींद पहुंची है।

ट्रेन में दो डीपीसी (ड्राइवर पावर कार) और आठ यात्री बोगियां हैं। जल्द ही जींद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का लोड चेक के लिए फाइनल ट्रायल होगा। उसके बाद रेलवे आरडीएसओ (रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड आगेर्नाइजेशन) और ग्रीन एच कंपनी के अधिकारी रिपोर्ट बनाएंगे। इस रिपोर्ट पर पीएमओ से मंजूरी मिलने के बाद ट्रेन का संचालन शुरू हो जाएगा।

ये ट्रेन 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी। रेलवे का ये पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है, तो देश में बाकी जगहों पर भी हाइड्रोजन ट्रेन चलाई जाएंगी। ट्रेन में एक बार में 2,638 यात्री सफर कर सकेंगे। हैदराबाद स्थित रेलवे की मेधा सर्वो ड्राइव्स कंपनी ने हाइड्रोजन स्टेशन बनाने और रुफ्यूलिंग के लिए

ग्रीन एच इलेक्ट्रोलिसिस के साथ अनुबंध किया हुआ है।

ग्रीन एच द्वारा झज्जर में संयंत्र से हाइड्रोजन उत्पादन से संबंधित माल सप्लाई किया जाएगा। अभी तक दूसरे देशों में 500 से 600 हार्सपावर की क्षमता वाली हाइड्रोजन ट्रेन बनाई गई हैं। इस ट्रेन के लिए हाइड्रोजन ट्रेन में 1200 हार्सपावर की क्षमता वाला इंजन तैयार किया गया है।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल द्वारा संचालित ये ट्रेन डीजल ट्रेनों के विपरीत इमिशन के रूप में सिर्फ पानी और हीट जनरेट करती हैं। यह ट्रेन पारंपरिक डीजल ट्रेनों का एक पर्यावरण एवं अनुकूल विकल्प है। जो शून्य कार्बन उत्सर्जन करती है। इसके इंजन धुएं के बजाय पानी व भाप छोड़ेंगे, जिससे प्रदषण नहीं फैलेगा। हाइड्रोजन ट्रेन में आवाज नहीं होगी। जींद से सोनीपत की दूरी लगभग 89 किलोमीटर है।

120 करोड़ से जींद में बनाया हाइड्रोजन प्लांट

जींद जंक्शन पर करीब 120 करोड़ रुपये से दो हजार वर्ग मीटर एरिया में बनाए हाइड्रोजन गैस प्लांट में टेस्टिंग का काम चल रहा है। इसमें 10 दिन का समय लगेगा। प्लांट में जमीन के नीचे हाइड्रोजन गैस का भंडारण तैयार किया गया है।

इसमें लगभग तीन हजार किलोग्राम गैस भंडारण की क्षमता है। प्लांट को हर घंटे 40 हजार लीटर पानी की जरूरत होगी। स्टेशन की छतों का वर्षा का पानी भी प्लांट तक पहुंचाया जाएगा। हाइड्रोजन गैस और आक्सीजन को अलग करने के बाद वेस्ट पानी का प्रयोग रेलवे कोचों की सफाई व सिंचाई में प्रयोग किया जा सकेगा।

अभी सीएनजी से चल रही है जींद-सोनीपत रूट पर ट्रेन

फिलहाल जींद-सोनीपत पर ट्रेन सीएनजी से चल रही है। ट्रेनों को बिजली, डीजल और सीएनजी के बजाय बहुत कम लागत वाली हाइड्रोजन गैस से चलाना केंद्र सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। हाइड्रोजन प्लांट का जो थोड़ा बहुत काम बाकी है, उसको तेजी से पूरा किया जा रहा है।

हाइड्रोजन ट्रेन यहां पहुंच गई है। अभी प्लांट में टेस्टिंग का काम चल रहा है। आठ से 10 दिन में ये काम पूरा हो जाएगा। उसके बाद ट्रेन का संचालन जींद-सोनीपत रूट पर किया जाएगा। ट्रेन कब चलेगी, इसकी तारीख अभी निर्धारित नहीं है।

- संजय कुमार, प्रोजेक्ट मैनेजर, हाइड्रोजन प्लांट

# न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान, ईशान-संजू को नहीं मिला मौका; श्रेयस की हुई वापसी

(जीएनएस)।

सीनियर पुरुष चयन समिति ने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम का चयन कर लिया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय क्रिकेट टीम का एलान किया गया। चोट के बाद वापसी कर रहे शुभमन गिल ही भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं श्रेयस अय्यर को उपकप्तानी सौंपी गई है। टी20 विश्व कप को देखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है।

बीसीसीआई ने दी जानकारी

बीसीसीआई की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, सीनियर पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम का चयन कर लिया है। यह सीरीज 11 जनवरी से वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में

न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होगी। चोट के बाद श्रेयस अय्यर की वापसी हुई है। श्रेयस अय्यर की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर है।

हार्दिक को इसलिए नहीं मिला मौका

बोर्ड की ओर से दी गई जानकारी के मुताबकि, बीसीसीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने हार्दिक पांड्या को एक मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी है। आगामी आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप को देखते हुए उनके वर्कलोड को मैनेज किया जा रहा है।

वनडे सीरीज के लिए चुनी गई टीम में बतौर विकेटकीपर केएल राहुल और ऋषभ पंत को चुना गया है। पंत की खराब फॉर्म को देखते हुए कयास लगाए जा रहे थे कि ईशान किशन या संजू का आजमाया जा सकता है। हालांकि, सेलेक्टर्स ने ऐसा नहीं किया।

न्यूजीलैंड वनडे के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान)*, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल।

वनडे सीरीज का शेड्यूल

पहला वनडे: 11 जनवरी, वडोदरा

दूसरा वनडे: 14 जनवरी, राजकोट

तीसरा वनडे: 18 जनवरी, इंदौर

# सर्दी-जुकाम में संतरा खाना सही या गलत? डॉक्टर ने बताया इसके पीछे का चौंकाने वाला सच

(जीएनएस)।

क्या आपने कभी सोचा है कि संतरा सर्दियों में ही क्यों आता है? दरअसल, इसके पीछे प्रकृति की एक खास प्लानिंग है।

संतरे में विटामिन-सी इम्यून सिस्टम मजबूत करता है

सर्दी में संतरा खाने से जुकाम नहीं होता, यह भ्रम है

मौसमी फल सर्दी-जुकाम से बचाते हैं, बीमार नहीं करते

लाइफस्टाइल डेस्क, नई दिल्ली। सर्दियों का मौसम आते ही बाजारों में संतरे दिखाई देने लगते हैं, लेकिन हम में से बहुत से लोग इस डर से संतरा खाने से बचते हैं कि इससे सर्दी या जुकाम हो जाएगा। क्या यह डर सही है? क्या वाकई सर्दी में संतरा नुकसान

करता है आइए डॉक्टर तरंग कृष्णा जानते हैं इसके पीछे का सच।

सर्दियों में आने वाले संतरे में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है। यह विटामिन आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत और स्वस्थ रखने का काम करता है। जब आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, तो वह आपको ठंड और सर्दी से बचाता है। इसलिए, अगर आप सर्दियों में नियमित रूप से ताजे संतरों डाइट में शामिल करते हैं, तो आप बीमार नहीं पड़ेंगे।

यह एक बहुत बड़ा भ्रम है। अक्सर कहा जाता है कि संतरा नहीं खाना चाहिए क्योंकि इससे सर्दी और खांसी हो सकती है। लेकिन, यह सच नहीं है। हकीकत तो यह है कि अगर आप नियमित रूप से संतरा खाते हैं, तो आप सर्दियों में बीमार नहीं पड़ेंगे। डॉक्टर बताते हैं कि यही नियम आंवला पर भी लागू होता है। अगर आप आंवले का सेवन करते हैं, तो आपको कभी सर्दी नहीं पकड़ेगी और आप बीमार नहीं होंगे।

क्यों बीमार पड़ते हैं लोग?

अब सवाल यह उठता है कि अगर मौसमी फल अच्छे हैं, तो लोग बीमार क्यों पड़ते हैं? आप तब बीमार पड़ते हैं जब आप उन फलों का सेवन करते हैं जो कोल्ड स्टोरेज में रखे गए होते हैं और सर्दियों में बाजार में बिकते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, सर्दियों में मिलने वाले सभी मौसमी फलों का सेवन बेझिझक करना चाहिए। संतरा और आंवला जैसे फल आपको बीमार

# ट्रंप के दावे पर बवाल: मादुरो के पकड़े जाने की बात पर वेनेजुएला ने मांगा 'प्रूफ ऑफ लाइफ'

(जीएनएस)।

वेनेजुएला की राजधानी कारावस में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात एक के बाद एक कई धमाके हुए। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर भेज दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी पुष्टि की कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ सफलतापूर्वक बड़े पैमाने पर हमला किया है। आइए जानते हैं वेनेजुएला में हुए विस्फोटों से जुड़े कुछ 10 महत्वपूर्ण बिंदु...

ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी, सिलिया फ्लोरेस को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर भेज दिया गया है। अमेरिका ने 1989 में तत्कालीन नेता मैनुअल नोरीगा को सत्ता से हटाने के लिए पनामा पर आक्रमण के बाद से किसी भी लैटिन अमेरिकी देश में इस तरह का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं किया था।

ट्रंप की आधिकारिक घोषणा से कुछ घंटे पहले, वेनेजुएला की राजधानी कारावस के आसपास जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में शहर भर में कई इमारतें जलती हुई दिखाई दे रही थीं।

एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, वेनेजुएला में शनिवारको कम से कम सात धमाके हुए हैं और कई फाइटर जेट्स भी उड़ान भरते हुए देखे गए जिसके बाद अलग-अलग इलाकों के लोग घबराकर सड़कों पर निकल आए।

राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार ने कहा कि वेनेजुएला, संयुक्त राज्य अमेरिका की वर्तमान सरकार द्वारा वेनेजुएला की धरती और लोगों के खिलाफ किए गए अत्यंत गंभीर सैन्य आक्रमण को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष अस्वीकार करता है, उसकी निंदा करता है और उसे अस्वीकार करता है।

सीबीएस न्यूज और फॉक्स न्यूज जैसे मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि काराकस में हुए सिलसिलेवार हमलों के पीछे अमेरिकी सेना का हाथ था। अमेरिकी मीडिया ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिकी सेना इसमें शामिल थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप कई हफ्तों से वेनेजुएला में ड्रग कार्टेल पर जमीनी हमले की धमकी दे रहे थे। ट्रंप प्रशासन ने कैरिबियन सागर में भारी नौसैनिक और एयर फोर्स भी तैनात की है, जिसमें अमेरिका का सबसे उन्नत विमानवाहक पोत, यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड और अन्य युद्धपोत शामिल थे।

सितंबर से लेकर अब तक अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में कई नौकाओं पर हमले किए हैं। अमेरिका का कहना है कि इन हमलों में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले लोग शामिल हैं। जिसमें 100 से अधिक लोग मारे गए हैं।

अमेरिकी सुरक्षा बलों ने वेनेजुएला पर लगाए गए तेल नाकाबंदी के तहत समुद्र में दो टैंकर भी जब्त किए हैं। ट्रंप ने निकोलस मादुरो पर ड्रग कार्टेल का मुखिया होने का आरोप लगाया है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि मादुरो के लिए पद छोड़ देना समझदारी भरा कदम होगा और वेनेजुएला के नेता को चेतावनी दी थी कि उनके दिन गिने-चुने हैं।

मादुरो ने मादक पदार्थों के व्यापार में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है और कहा है कि वाशिंगटन उन्हें सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि वेनेजुएला के पास तेल का सबसे बड़ा भंडार है।

# क्या है डेल्टा फोर्स? जिसने वेनेजुएला में दिया मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम; मादुरो को पकड़ने का दावा

(जीएनएस)।

अमेरिका ने वेनेजुएला में एक बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सैनिकों ने निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिय

अमेरिका ने वेनेजुएला में एक बड़े मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम दिया है। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सैनिकों ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ लिया है और उन्हें वेनेजुएला से बाहर ले जाया गया है।

ऑपरेशन के दौरान, वेनेजुएला की राजधानी काराकास और दूसरे इलाकों में धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिससे पता चलता है कि अमेरिकी सेना ने अहम ठिकानों पर हमले किए हैं। उइउ न्यूज के मुताबिक, यह मिशन डोल्टा फोर्स ने पूरा किया है, जो अमेरिकी सेना की टॉप स्पेशल मिशन यूनिट है।

क्या है डेल्टा फोर्स?

साल 1977 में स्थापित और फोर्ट ब्रैग, नॉर्थ कैरोलिना में स्थित, डेल्टा फोर्स दुनिया की सबसे एलीट और गुप्त मिलिट्री यूनिट्स में से एक है। यह अमेरिकन आर्मी स्पेशल ऑपरेशन कमांड के तहत काम करती है और ज्वाइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के प्रति जवाबदेह है। इसे 123 स्पेशल फोर्सेज ऑपरेशनल डिटैचमेंट-डेल्टा के नाम से भी जाना जाता है।

इसका स्ट्रक्चर ब्रिटिश रआर जैसा है, जिसने डेल्टा के संस्थापक कर्नल चार्ल्स बेसविथ को डोल्टा फोर्स के गठन के लिए प्रेरित किया।

इसके काम की गंभीरता और अत्यधिक गोपनीयता को देखते हुए, ऐसी अफवाहें हैं कि इसने आर्मी कम्पार्टमेंटेड एलिमेंट्स (अउए), कॉम्बैट एप्लीकेशंस ग्रुप या डेल्टा जैसे कई नामों का इस्तेमाल किया है।

डेल्टा फोर्स का मुख्य काम

यह यूनिट हाई-रिस्क, हाई-वैल्यू मिशन में माहिर है और मुख्य रूप से आतंकवाद विरोधी अभियानों, बंधकों को बचाने, आतंकवादी खतरों को खत्म करने और पकड़ने और विशेष जासूसी का काम करती है।

यह यूनिट हाई-प्रोफाइल लोगों की करीबी सुरक्षा और गैर-परंपरागत युद्ध में भी ट्रेंड है, जिसमें ऑपरेटर्स स्नाइपिंग, क्लोज-क्वार्टर कॉम्बैट, विस्फोटक और सीक्रेट एंट्री तकनीकों में कुशल होते हैं। उन्हें विमानों, ट्रेनों, जहाजों और वाहनों पर ऑपरेशन संभालने के लिए ट्रेंड किया जाता है, जिससे वे किसी भी माहौल में किसी भी स्थिति में हस्तक्षेप कर सकें और नियंत्रण कर सकें।

डेल्टा फोर्स का स्ट्रक्चर

डेल्टा फोर्स को 4 मुख्य स्क्वाड्रन में बांटा गया है, और सभी को तीन टुकड़ियों में बांटा गया है। रेकी/स्नाइपर टुकड़ी, जो खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और स्नाइपर मिशन को संभालती है और दो डायरेक्ट एक्शन/असॉल्ट टुकड़ियां जो लक्ष्यों पर हमला करने, छापे मारने और हाई-रिस्क मिशन पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

# राजभवन में समयपूर्व रिहाई संबंधी प्रस्तावित शासनादेश पर समीक्षा बैठक

**राज्यपाल ने कारागार व्यवस्था में पारदर्शिता, सुधार और मानवीय दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के निर्देश**

लखनऊ, 3 जनवरी। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शनिवार को राजभवन में कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएँ उत्तर प्रदेश द्वारा समयपूर्व रिहाई से संबंधित प्रस्तावित शासनादेश के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित शासनादेश के विभिन्न प्रावधानों, उद्देश्यों, पात्रता मानदंड एवं प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। राज्यपाल ने विषय की संवेदनशीलता और इसके सामाजिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित प्रावधानों की गहन समीक्षा की तथा आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि समयपूर्व रिहाई की प्रक्रिया पारदर्शी, न्यायसंगत एवं सुधारात्मक उद्देश्य के अनुरूप



होनी चाहिए, जिससे बंदियों के अधिकारों की रक्षा के साथ साथ समाज में पुनर्वास की प्रक्रिया सुदृढ़ हो सके।

मानवीय दृष्टिकोण के साथ मूलभूत सुविधाओं पर बल

राज्यपाल ने कारागारों में निरुद्ध बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा करते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कौशल विकास को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बंदियों के साथ मानवीय व्यवहार कारागार सुधार की आधारशिला है।

आधुनिक तकनीक के उपयोग से कारागार व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर

बैठक के दौरान राज्यपाल ने गुजरात स्थित नेशनल फॉरेंसिक साइंस विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय रक्षा शक्ति महाविद्यालय तथा इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के अपने हालिया दौरों के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इन संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फॉरेंसिक विज्ञान एवं आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग से जांच प्रक्रियाएं अधिक वैज्ञानिक एवं सटीक बनी हैं। राज्यपाल ने अधिकारियों को ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों के अध्ययन भ्रमण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नवीन तकनीकों और नवाचारों को अपनाकर कारागार व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

# व्यवस्था और पारदर्शी, फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगाएगी फैमिली आईडी

(जीएनएस)।

लखनऊ, 3 जनवरी। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसी दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा फैमिली आईडी कार्ड के माध्यम से डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (DBT) योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभार्थियों को जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इससे व्यवस्था न सिर्फ और पारदर्शी हुई है, बल्कि फर्जी लाभार्थियों पर भी रोक लगाई जा सकेगी।

98 योजनाओं को फैमिली आईडी से जोड़ा गया

प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की कुल 98 जनकल्याणकारी योजनाओं को फैमिली आईडी से जोड़ा जा चुका है। इसका सीधा लाभ प्रदेश के 15 करोड़ 7 लाख से अधिक लाभार्थियों को मिल रहा है। फैमिली आईडी पोर्टल पर 44 लाख नागरिकों ने अब तक आवेदन किया है। शहरी क्षेत्र में लेखपाल और ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत अधिकारी के माध्यम से बनाया जाता है।

इस फैमिली आईडी प्रणाली के तहत एक ही पहचान संख्या से पूरे परिवार का विवरण उपलब्ध रहता है, जिससे योजनाओं का लाभ पारदर्शी और त्वरित तरीके से पात्र परिवारों तक पहुंचाया जा रहा है।

12 अंकों की फैमिली आईडी बनेगी योजनाओं की चाबी

फैमिली आईडी कार्ड 12 अंकों का विशिष्ट पहचान नंबर होता है, जिसमें परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी दर्ज होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस व्यवस्था का उद्देश्य 'एक परिवारझएक पहचान' के सिद्धांत को लागू करना है, ताकि पात्रता के आधार पर योजनाओं का स्वतः चयन हो सके और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या दोहराव से बचा जा सके।

भागदौड़ से मिल रही राहत

फैमिली आईडी कार्ड लागू होने से नागरिकों को आय, जाति, निवास सहित अन्य प्रमाण पत्रों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे। एक बार फैमिली आईडी पंजीकरण होने के बाद, विभिन्न योजनाओं के लिए आवश्यक जानकारियां इसी डेटाबेस से स्वतः उपलब्ध हो जा रही हैं। इससे समय, धन और श्रम—तीनों की बचत हो रही है।

योगी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जो परिवार किसी कारणवश राशन कार्ड से वंचित हैं, वे भी फैमिली आईडी के माध्यम से सरकारी योजनाओं से जुड़ सकें। इसके लिए विशेष पंजीकरण व्यवस्था की गई है, ताकि कोई भी पात्र परिवार सरकारी सहायता से बाहर न रहे।

फैमिली आईडी के लिए परिवार के सभी सदस्यों का आधार नंबर होना अनिवार्य है। साथ ही आधार का मोबाइल नंबर से लिंक होना भी जरूरी है, ताकि ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जा सके। य

## गोमती नदी पर बनेगा पेडेस्ट्रियन ब्रिज, शासन ने परियोजना पर लगायी मुहर

**– 'मुस्कुराइए की आप लखनऊ में हैं' की थीम पर होगा 180 मीटर लंबा यह स्माइलिंग ब्रिज**

**– एडीसीपी ऑफिस के पास बनने वाला यह ब्रिज रिवर फ्रंट के दोनों किनारों को जोड़ेगा**

**– 18 माह में पूरा होगा निर्माण, 54 करोड़ रुपए आएगी कुल लागत, शासन ने 18.90 करोड़ जारी किये**

गोमती नदी पर पेडेस्टियन ब्रिज के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। लगभग 54 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस 180 मीटर लंबे ब्रिज के लिए शासन ने मंजूरी दे दी है। ब्रिज का निर्माण 18 महीने में पूरा होगा, जिसके लिए शासन ने पहली किश्त के तौर पर 18.90 करोड़ रुपए की धनराशि भी स्वीकृत कर दी है। 'मुस्कुराइए की आप लखनऊ में हैं' की थीम पर बनने वाला यह पेडेस्ट्रियन ब्रिज लखनऊ को नयी पहचान देगा।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि अहमदाबाद के अटल ब्रिज की तर्ज पर गोमती नदी पर एडीसीपी ऑफिस के पास पेडेस्ट्रियन ब्रिज का निर्माण किया जाएगा, जोकि रिवर फ्रंट के दोनों किनारों को जोड़ेगा। ब्रिज की डिजाइन अनूठी व बेहद खास हो, इसके लिए आर्किटेक्ट डिजाइन कॉम्पटीशन आयोजित कराया गया था। इस प्रतियोगिता में देश भर से लगभग 25 आर्किटेक्ट संस्थाओं ने हिस्सा लेते हुए ब्रिज की ड्राइंग-डिजाइन भेजे थे।

मुंबई के 'आरवैम्प स्टूडियो' की डिजाइन चयनित

ज्यूरी पैनल ने मुंबई की संस्था 'आरवैम्प स्टूडियो' की डिजाइन को चयनित किया। जिसके आधार पर पेडेस्ट्रियन ब्रिज का निर्माण कराया जाएगा। यहां ब्रिज बनने से गोमती नदी के दायें किनारे पर लोगों की आवाजाही बढ़ेगी और वहां विकसित क्रिकेट स्टेडियम, विवाह स्थल, किड्स प्ले एरिया, एम्फीथिएटर, फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, वॉटर स्पोर्ट्स आदि गतिविधियों की उपयोगिता भी बढ़ेगी।

12 मीटर चौड़ा होगा ब्रिज

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि नदी पर यह ब्रिज 180 मीटर लंबा होगा। जबकि, रैम्प और प्लेटफार्म को मिलाकर इसकी कुल लंबाई 380 मीटर तक होगी। लोग आसानी से चहलकदमी कर सके, इसके लिए ब्रिज की चौड़ाई 12 मीटर रखी जाएगी। ब्रिज के स्ट्रक्चर को संभालने के लिए 13 पीयर्स बनाए जाएंगे। पुल के तल पर 30 मीटर और 40 मीटर चौड़े स्पैन प्लेट गर्डर्स दिये जाएंगे, जहां लोग खड़े होकर नदी का नजारा देख सकेंगे। इसके अलावा स्टील ट्यूबलर सेक्शन से ब्रिज के किनारों की संरचना की जाएगी।

पेडेस्ट्रियन ब्रिज 'मुस्कुराइए की आप लखनऊ में हैं' की स्माइलिंग थीम पर होगा, जिसकी झलक इसकी डिजाइन में भी दिखेगी।

# मुख्यमंत्री योगी से मिले सीआईआई के प्रतिनिधि, राज्य में व्यापार और निवेश का बन रहा बेहतर माहौल

(जीएनएस)।

लखनऊ, बेहतर कानून व्यवस्था और स्थिर प्रशासनिक माहौल के चलते उत्तर प्रदेश अब देशभर के उद्योग जगत की पहली पसंद बनता जा रहा है। सुरक्षा, अनुशासन और निष्पक्ष शासन ने निवेशकों का भरोसा प्रदेश में मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप बड़े, मध्यम और छोटे तीनों सेगमेंट के उद्योग तेजी से उत्तर प्रदेश की ओर रुख कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष श्री राजीव मेमानी, नई दिल्ली, श्री उमाशंकर भरतिया, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, इण्डिया ग्लाइको लि०, दिल्ली / नोएडा व श्री सुनील मिश्रा ने मुलाकात कर निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विस्तार को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश का सिस्टम और गवर्नेंस मॉडल पूरी तरह बदला है। अब जमीन पर काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हुआ है और परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही हैं।



मा० मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी मिलते हुए श्री राजीव मेमानी, अध्यक्ष, सी०आई०आई०, नई दिल्ली, श्री उमाशंकर भरतिया, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, इण्डिया ग्लाइको लि० दिल्ली / नोएडा व श्री सुनील मिश्रा

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने के विजन में उद्यमी सहयोग करना चाह रहे हैं। सीएम योगी के साथ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बढ़ाने के लिए भी विचार विमर्श किया गया। उत्तर प्रदेश में डिक्रिमिनलाइजेशन विधेयक लागू होने के बाद इंडस्ट्री का भरोसा और बढ़ा है। इसके साथ ही प्रदेश की निवेश अनुकूल नीतियों और प्रोत्साहन के कारण ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बढ़ रहा है।

एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, एयरपोर्ट और लॉजिस्टिक्स हब से औद्योगिक इकोसिस्टम को मिली मजबूती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर प्रतिनिधिमंड ने स्पष्ट रूप से कहा कि सख्त कानून-व्यवस्था ने उत्तर प्रदेश का औद्योगिक वातावरण पूरी तरह बदल दिया है। निवेश निर्णयों के लिए आवश्यक सुरक्षा और प्रशासनिक स्थिरता प्रदेश में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक्स हब तथा बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के तेज विकास ने राज्य के औद्योगिक इकोसिस्टम को नई मजबूती प्रदान की है।

सिंगल-विंडो सिस्टम और डिजिटल प्रक्रियाओं से उद्योग स्थापना हुई आसान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुए विचार-विमर्श में यह भी सामने आया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अब केवल नीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह जमीन पर प्रभावी रूप से लागू हो रहा है। प्रदेश सरकार की सिंगल-विंडो सिस्टम सेवा निवेश मित्र जहां वर्तमान में 43 विभागों की 525 से अधिक सेवाएं उपलब्ध है, जहा भौतिक हस्तक्षेप के बिना समयबद्ध डिजिटल स्वीकृतियों के चलते प्रदेश में उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया है। राज्य सरकार की प्रो-इंडस्ट्री नीति और त्वरित निर्णय क्षमता निवेश को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। इसी क्रम में उच्चीकृत निवेश मित्र 3.0 को जल्द लांच किया जायेगा जिसमें एआई व चैटबाट जैसी सुविधाओं से निवेशकों की निवेश यात्रा और आसान होगी ।

यूपी में नए निवेश और विस्तार योजनाओं को लेकर उद्यमी उत्साहित

प्रतिनिधियों ने कहा कि समग्र रूप से बेहतर कानून व्यवस्था, सशक्त इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी प्रशासन और उद्योगों को मिल रहे सहयोग के चलते उत्तर प्रदेश एक विश्वसनीय और स्थिर निवेश राज्य के रूप में उभर रहा है। यही कारण है कि देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपति आने वाले समय में यूपी में नए निवेश और विस्तार योजनाओं को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इसके साथ ही प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि तय मानी जा रही है।

# हरदोई कछौना: उद्योग व्यापार मंडल की मानवीय पहल—विधायक रामपाल वर्मा ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल, ठंड में मिली राहत

(जीएनएस)।

हरदोई, भीषण ठंड से जूझ रहे जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने की एक सराहनीय पहल में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल कछौना इकाई ने निःशुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला उर्फ पंकज और जिला अध्यक्ष विमलेश दीक्षित के साथ असहाय, दिव्यांग एवं गरीब परिवारों को कंबल वितरित किए। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रामपाल वर्मा ने कहा, 'समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की सेवा करना ही सच्ची सेवा है। संकट के समय जरूरतमंदों के साथ खड़ा होना और सहायता पहुंचाना वास्तविक मानवता है। ऐसे कार्य




समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं।'

नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला उर्फ पंकज ने कहा कि कछौना इकाई की यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण है। मंडल विगत वर्षों से कपड़ा वितरण, कोविड सहायता, और सर्दी में कंबल वितरण जैसे जनकल्याणकारी कार्य करता आ रहा है।

प्रधानाचार्य राम शंकर शुक्ला ने सनातन धर्म के मंत्र 'परहित सरिस धर्म नाहि भाई' का उल्लेख करते हुए कहा कि परोपकार ही सर्वोच्च धर्म है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष रवि गुप्ता ने कहा कि संगठन समाज के सुख-दुःख में सदैव साथ खड़ा रहता है और व्यापारी बंधुओं के सहयोग से ऐसे कार्य निरंतर जारी रहेंगे। जिला अध्यक्ष विमलेश दीक्षित ने कछौना मंडल की गतिविधियों की सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन चेयरपर्सन क्रांतिवीर सिंह उर्फ रैना ने किया।

उपस्थित प्रमुख लोग

कार्यक्रम में संरक्षक रामखेलावन गुप्ता, राम शंकर गुप्ता, शिवकुमार गुप्ता, भाजपा जिला मंत्री अजय शुक्ला, मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह, ग्राम प्रधान रानू बाजपेई, सर्व वैश्य समाज अध्यक्ष तुलसी गुप्ता, महामंत्री अवधेश गुप्ता, पूर्व प्रधान सत्य प्रकाश मिश्रा, नीरज शुक्ला, सुनील सोनी, प्रकाश चंद्र गुप्ता, हरिओम गुप्ता, राहुल गुप्ता, शांतनु गुप्ता, रामेंद्र सिंह, पुनीत गुप्ता, दिवाकर शर्मा, मनोज पांडेय, अनूप सिंह सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, जनप्रतिनिधि और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

# कुशीनगर: योगी सरकार की सौगात—नारायणी नदी पर 715 करोड़ से बनेगा भैंसहा पुल, 50 हजार दियारा वासियों को मिलेगी राहत

कुशीनगर,

उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी। कुशीनगर में पनियहवा के भैंसहा घाट पर नारायणी नदी पर भैंसहा पुल के निर्माण को वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। उत्तर प्रदेश स्टेट ब्रिज कारपोरेशन लिमिटेड ने पुल का मानचित्र जारी कर दिया है। 715.73 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह पुल 4.5 किमी लंबा और 11.5 मीटर चौड़ा होगा। पुल पर 7.5 मीटर चौड़ी टू-लेन सड़क बनेगी और 150-160 पीलर पर खड़ा किया जाएगा।

कुशीनगर भैंसहा पुल मानचित्र 2026

कुशीनगर में नारायणी नदी पर भैंसहा पुल का मानचित्र।

यह पुल कुशीनगर और महाराजगंज के दियारा क्षेत्र के लगभग 50 हजार लोगों को मुख्यधारा से जोड़ेगा। बरसात में संपर्क कट जाने की समस्या दूर होगी। छात्रों, रोगियों, किसानों, और व्यवसायियों को सुरक्षित आवागमन मिलेगा। पुल 2-3 वर्षों में बनकर तैयार होने की उम्मीद है।

खड्डा विधायक विवेकानंद पांडेय ने कहा, 'मेरी पहल पर शासन ने स्वीकृति दी। सर्वे रिपोर्ट जारी हो चुकी है। आगणन भी स्वीकृत। इससे गोरखपुर-वाल्मीकिनगर डबल लाइन भी जुड़ेगी।'

पुल की प्रमुख विशेषताएं

लागतः 715.73 करोड़ रुपये।

लंबाईः 4.500 किमी।

चौड़ाईः 11.5 मीटर (सड़क 7.5 मीटर टू-लेन)।

संरचनाः 150-160 पीलर।

सुविधाएंः पक्की सड़क, जलनिकासी, बिजली पोल, दोनों तरफ ऊंची रेलिंग।

लाभः दियारा क्षेत्र के गांवों (हरिहरपुर, बसंतपुर, मरिचहवा, शिवपुर, भैंसहा टोला बालगोविंद छपरा, शाहपुर टोला विंध्यांचलपुर, शिकारपुर, भोथहां, सोहगीबरवा आदि) को मुख्य मार्ग से जोड़ेगा।

विधायक पांडेय ने कहा, 'बरसात में दियारा वासियों का संपर्क कट जाता था। पुल से यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।'

यह पुल यूपी-बिहार के लोगों के लिए योगी सरकार की बड़ी सौगात है। दियारा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

# हरदोई बेहटा गोकुल: रुपये मांगने पर इनकार से नाराज घरेलू सहयोगी ने की वृद्धा की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हरदोई बेहटा गोकुल (जीएनएस)। हरदोई जिले के बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम बलेहरा में 30/31 दिसंबर की रात हुई 62 वर्षीय वृद्धा सावित्री देवी की निर्मम हत्या का पुलिस ने सफल खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि मृतका के घर घरेलू कार्य करने वाला पारिवारिक सदस्य संदीप सिंह उर्फ शैलू पुत्र विजय कुमार (निवासी ग्राम बलेहरा) ने ही रुपये मांगने पर इनकार होने से नाराज होकर प्रेस के तार से गला कसकर हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए।

रहअळ, सर्विलांस, और रडङ्कृटीम की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपराध कबूल कर लिया।

घटना का विवरण

31 दिसंबरः मृतका के सौतेले पुत्र अतुल सिंह (निवासी महदोईया, लखनऊ) ने थाना बेहटा गोकुल में तहरीर दी कि सावित्री देवी की गले में तार कसकर हत्या की गई।

FIR: अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज।

खुलासाः आरोपी संदीप घरेलू कार्य करता था। रुपये मांगने पर मना करने से विवाद हुआ। नाराजगी में रात में सोते समय गला कसकर हत्या की।

SP मीणा ने कहा, 'ऐसे अपराधों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।'

कार्रवाई में शामिल टीम

थानाध्यक्षः धर्मेंद्र गिरि

उपनिरीक्षकः राकेश कुमार, राजेश कुमार, अब्दुल जब्बार

हेड कांस्टेबलः मंदीप सिंह

कांस्टेबलः रोहित कुमार, राहुल कुमार, राजीव कुमार

रहअळ/सर्विलांस/रडङ्कृटीम

आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जांच जारी है।

यह घटना घरेलू सहयोगियों पर विश्वास और सुरक्षा के मुद्दे को उजागर करती है।

# कुशीनगर: विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग गुजरा बॉर्डर से, 33 फीट ऊंचाई और 180 टन वजन—श्रद्धालुओं ने फूल मालाओं से किया स्वागत

कुशीनगर, (जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में धर्म और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तमिलनाडु के महाबलीपुरम से बिहार के चंपारण तक जा रहा विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग जनपद के बॉर्डर सुकरौली से गुजरा। नेशनल हाईवे पर श्रद्धालुओं का तांता लग गया। लोग जगह-जगह रोककर फूल मालाओं से स्वागत कर रहे थे।

यह एकल पाषाण (सिंगल स्टोन) से निर्मित शिवलिंग इतना विशाल है कि इसे ले जाने के लिए 111 पहियों वाले विशेष ट्राले का उपयोग किया जा रहा है। चालक दल के सदस्य आलोक सिंह ने बताया कि शिवलिंग की ऊंचाई 33 फीट और गोलाई भी 33 फीट है। इसका वजन लगभग



180 टन है। यह कश्मीर से कन्याकुमारी को जोड़ने वाले देश के सबसे लंबे नेशनल हाईवे के रास्ते ले जाया जा रहा है।

शिवलिंग को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। कई लोग हाथ जोड़कर प्रणाम कर रहे थे। यह दृश्य आस्था की अनुपम मिसाल बन गया।

शिवलिंग की विशेषताएं

निर्माण स्थानः तमिलनाडु का महाबलीपुरम।

गंतव्यः बिहार का चंपारण।

वजनः 180 टन।

ऊंचाई और गोलाईः 33 फीट।

ट्रालाः 111 पहियों वाला विशेष वाहन।

विशेषताः विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग माना जा रहा है।

यह शिवलिंग बिहार में स्थापित किया जाएगा। रास्ते में कई राज्यों से गुजरते हुए श्रद्धालुओं का उत्साह देखते बन रहा है।

# छावनी क्षेत्र में रैन बसेरा का शुभारंभ, जरूरतमंदों को मिली ठंड से राहत

(जीएनएस)।

लखनऊ। छावनी क्षेत्र में ठंड से राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शुक्रवार को आश्रय स्थल (रैन बसेरा) का उद्घाटन किया गया। कार्यालय छावनी परिषद, लखनऊ एवं लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट (मध्य) के सहयोग से यमुना सामुदायिक केंद्र, नेहरू रोड, कैंट लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रातः 11:30 बजे रैन बसेरा का विधिवत शुभारंभ किया गया। उद्घाटन डीसीपी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट (मध्य) वीर





विक्रम सिंह, छावनी परिषद लखनऊ के सीईओ अभिषेक राठौर तथा छावनी परिषद के नामित सदस्य प्रमोद शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस अवसर पर रैन बसेरा में मौजूद लगभग 30 जरूरतमंद लोगों को कंबल एवं फल वितरित किए गए। अधिकारियों ने कहा कि शीतलहर के मौसम में बेघर और असहाय लोगों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। रैन बसेरा में ठहरने, साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, ताकि जरूरतमंद लोग ठंड से सुरक्षित रह सकें। कार्यक्रम में लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की ओर से एसीपी कैंट अभय प्रताप मल्ल, थाना अध्यक्ष कैंट गुरुप्रीत कौर, एसएसआई कैंट सूर्य बली यादव, उपनिरीक्षक दिनेश प्रसाद, महिला उपनिरीक्षक सोनिया सिंह सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे। वहीं छावनी परिषद लखनऊ की ओर से प्रशासनिक अधिकारी समरेन्द्र सिंह, स्वास्थ्य अधीक्षक मनीष कुमार, भंडार रक्षक जैनेन्द्र तिवारी तथा अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने बताया कि आगे भी जरूरतमंदों के लिए इस प्रकार के राहत कार्य जारी रहेंगे और ठंड के मौसम में किसी को भी असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

## निशातगंज के पास से निकाला जा रहा ग्रीन कोरिडोर

लखनऊः निशातगंज के पास से निकाला जा रहा ग्रीन कोरिडोर

ग्रीन कोरिडोर के पास जमा हो गया था मलबा

आज एलडीए ने कोरिडोर के पास से हटाया मलबा

एलडीए की कार्रवाई की दौरान उपस्थित रही स्थानीय पुलिस

एलडीए के बुलडोजर ने हटाया मलबा

थाना महानगर थाना क्षेत्र में चला एलडीए का बुलडोजर।

# सवाल ! टैंक्स ले रहे तो यह सुविधाएं क्यों नहीं मिल रही हैं ?

(जीएनएस)।

बाराबंकी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एन.एच.आइ टोल तो भरपूर वसूल जा रहा है लेकिन इन पर यात्रियों को सुविधाएं नाममात्र की ही मिल रही हैं। बीते दिन को एक समाचार पत्र के ब्यूरो` बाराबंकी द्वारा की पड़ताल में इसकी पोल खुल गई। शायद कागजों में सुविधाएं उपलब्ध हो / हैं लेकिन हकीकत कुछ और ही है। टोल प्लाजा पर मूलभूत सुविधाएं पर सवाल उठ रहे । मामला लोगों की चर्चा में, बाराबंकी से बहराइच व गोड़ा जाने के लिय राष्ट्रीय राजमार्ग 28 सी पर` शहावपुर के समीप स्थित इस टोल प्लाजा पर हर दिन टोल वसूला जा रहा है । लेकिन यहां पर अभीतक ही स्वच्छ उज्वल पानी की व्यवस्था नहीं है । बिडम्बना देखें स्थित टोल प्लाजा पर दो शौचालय लेकिन तालाबंद स्थिति में हैं। कहां है रेस्ट ? रूम पूछने पर शायद ` बताया जायेगा । यद्यपि. आरओ प्लांटे लगा होना चाहिए जिससे वाहन चालकों को स्वच्छ पानी मिल सके।.परन्तु बोतलों में पानी लेकर क्रय विक्रय होता हैं । सबसे बड़ा सवाल दो पहियावाहनों के आवागमन और पैदल चलने यात्रियों की कौन सी लेन है ? अवश्य सभी जांच के विषयबिंदु है , प्रश्न यहीं , टोल प्लाजा पर मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। सवाल ! टैंक्स ले रहे तो यह सुविधाएं क्यों नहीं मिल रही हैं ?

# माघ मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए फील्ड पर उतरें अधिकारी, सीएम योगी ने दिए निर्देश

(जीएनएस)।

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार शाम आगामी पर्व-त्योहारों एवं माघ मेला के मद्देनजर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संबंधित जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय...**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार शाम आगामी पर्व-त्योहारों एवं माघ मेला के मद्देनजर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संबंधित जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय सुरक्षा एवं व्यवस्थागत समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारू आयोजन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। योगी ने प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, चित्रकूट, हापुड़ (गढ़मुक्तेश्वर), मथुरा-वृंदावन, फरुखाबार्द, शाहजहांपुर सहित माघ मेला से जुड़े सभी प्रमुख जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के आवागमन, घाटों व मंदिर परिसरों की स्वच्छता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, कंट्रोल रूम, भीड़ प्रबंधन एवं मेला क्षेत्र में प्रवेश-निकास की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

'किसी भी महिला श्रद्धालु को



असुविधा का सामना न करना पड़े'

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्थिति में अराजकता को बढ़ावा न मिले और सभी श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में स्नान एवं पूजा कर सकें। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में पौष पूर्णिमा पर अनुमानित 15 से 25 लाख श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष रूप से सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों, मेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस, स्वच्छ शौचालय, पेयजल एवं महिला सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घाटों पर गोताखोरों की पर्याप्त तैनाती रहे ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि मेला क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर संदिग्ध एवं अराजक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। किसी भी महिला श्रद्धालु को असुविधा या भय का सामना न करना पड़े, यह प्रशासन सुनिश्चित करे।

'कोई भी नाविक श्रद्धालुओं से मनमाना शुल्क न लें'

भीषण शीतलहर को देखते हुए योगी ने रैन बसेरों की पर्याप्त व्यवस्था, अलाव जलाने, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं सार्वजनिक स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान के नीचे सोने के लिए विवश न हो। पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और जरूरतमंदों को रैन बसेरों तक पहुँचाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वरिष्ठ अधिकारी आज रात्रि में ही मेला स्थल का निरीक्षण कर लें तथा अधीनस्थ अधिकारियो और कर्मचरियों को समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देश दे दें। नदी में तेज बहाव तथा गहराई की दशा में बैरिकेडिंग लगाकर सुरक्षा सुनिश्चित कर ली जाए। कोई भी नाविक श्रद्धालुओं से मनमाना शुल्क न लें। इस कड़ी में उन्होंने तीर्थ स्थानों व अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर नाव परिचालन को लेकर मनमर्जी किराया वसूलने तथा होटलों द्वारा मनमानी किए जाने को लेकर सख्त निर्देश जारी किया कि ऐसा कोई भी कार्य नहीं होनी चाहिए इस बात को वरिष्ठ अधिकारी फील्ड पर उतर कर सुनिश्चित करें।

# मिडिल क्लास की लगेगी की मौज! ₹12.75 लाख तक की कमाई टैक्स फ्री, बुजुर्गों को भी मिली बड़ी राहत

(जीएनएस)।

अप्रैल 2026 से नए क्लूड्ड्री ळं७ फ्ः ीर शुरू हो जाएगा। इसका सीधा असर इस साल के असेसमेंट ईयर पर पड़ेगा। यह फैसला सरकार द्वारा मिडिल क्लास और सैलरीड क्लास को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। तो आइए जानते हैं कि कौन से हैं वे 5 बड़े बदलाव जो आपकी जेब पर सीधा... इसका सीधा असर इस साल के असेसमेंट ईयर पर पड़ेगा। यह फैसला सरकार द्वारा मिडिल क्लास और सैलरीड क्लास को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। तो आइए जानते हैं कि कौन से हैं वे 5 बड़े बदलाव जो आपकी जेब पर सीधा असर डालेंगे।

1. ₹12.75 लाख तक सैलरी पर 'नो टैक्स'

बजट 2025 में सेक्शन 87अ के तहत रिबेट की सीमा बढ़ा दी गई है। अब नई टैक्स रिजीम (ठी६ ळं७ फ्ी) चुनने वालों के लिए ₹12 लाख तक की नेट टैक्सेबल इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। साथ ही सैलरीड क्लास को मिलने वाली ₹75,000 की स्टैंडर्ड डिडक्शन को जोड़ने पर अब ₹12.75 लाख तक की ग्रॉस सैलरी पूरी तरह टैक्स फ्री हो गई है।

2. बुजुर्गों के लिए ब्याज पर TDS




का झंझट खत्म

सीनियर सिटीजन के लिए यह बजट बड़ी खुशी लेकर आया है। FD या अन्य बचत योजनाओं से मिलने वाले ब्याज पर ळऊ की सीमा ₹50,000 से बढ़ाकर ₹1 लाख कर दी गई है। अब बुजुर्गों को बैंक से पूरा पैसा मिलेगा और उन्हें रिफंड के लिए लंबा इंतजार नहीं करना होगा।

3. विदेश में इलाज अब टैक्स के दायरे से बाहर

सैलरीड कर्मचारियों के लिए विदेश में इलाज से जुड़े पर्क्विजिट नियमों में सुधार किया गया है। पहले केवल ₹2 लाख तक की आय वाले कर्मचारी ही कंपनी द्वारा विदेश में इलाज पर किए खर्च पर छूट पा सकते थे, अब इस सीमा को बढ़ाकर ₹8 लाख कर दिया गया है। इससे गंभीर बीमारी के समय कर्मचारियों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।

4. शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड निवेशकों को फायदा

छोटे निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने डिविडेंड इनकम पर TDS की सीमा ₹5,000 से बढ़ाकर ₹10,000 कर दी है। यानी अब अगर आपको साल भर में ₹10,000 तक का लाभांश मिलता है, तो उस पर कोई कटौती नहीं होगी।

5. ULIP निवेश पर अब पूरी स्पष्टता

यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (ULIP) को लेकर बना भ्रम अब खत्म हो गया है। बजट में साफ किया गया है कि जिन पॉलिसियों पर प्रीमियम अधिक होने के कारण छूट नहीं मिलती, उन्हें अब 'कैपिटल एसेट' माना जाएगा। इससे मिलने वाले मुनाफे पर अब 'कैपिटल गेंस' के हिसाब से टैक्स लगेगा, जिससे निवेशकों के लिए हिसाब रखना आसान होगा।

# सिरसा के जेल वार्डन ने डीएसपी समेत 2 अधिकारियों पर लगाया प्रताड़ना का आरोप, उठाया बड़ा कदम!

(जीएनएस)।

हरियाणा के सिरसा जिला जेल से एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। जेल में तैनात वार्डन सुखदेव सिंह ने जहरीला पदार्थ (सल्फास) खाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मौत की पुष्टि करते हुए दो सुसाइड नोट मिलने की बात मानी है। पुलिस विभाग का मामला होने की वजह से हड़कंप मच गया है।

मृतक ने वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। बताया जा रहा है कि मृतक अधिकारी पिछले 7 साल से दिल की बीमारी से जूझ रहे थे। उन्होंने डीएसपी समेत दो सीनियर्स पर अपमानित करने और मानसिक प्रताड़ना देने का आरोप लगाया है।



मृतक ने अपने सुसाइड नोट में दावा किया कि सीनियर अधिकारियों ने उनकी दिल की बीमारी को नजरअंदाज किया और लगातार प्रताड़ित करते रहे। सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा है कि 14 दिसंबर को उन्होंने पुलिस उप अधीक्षक (ऊढ) वरुण गोदारा से नाइट ड्यूटी नहीं लगाने का अनुरोध किया था। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने गुहार लगाई थी, लेकिन अधिकारियों ने उन्हें अपमानित किया।

– सुसाइड नोट में सुखदेव सिंह ने लिखा है कि उन्हें लगातार 15 दिनों तक मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। इतना ही नहीं उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया।

– मृतक अधिकारी का कहना है कि उन्हें स्टाफ के सामने ड्यूटी को लेकर अपमानित किया गया। 31 दिसंबर को भी शाम के समय उन्हें अपशब्द कहे गए। इसके बाद नए साल के दिन उन्होंने जेल अधीक्षक और दूसरे गाड्र्स की मौजूदगी में माफी भी मांगी थी।

– सुसाइड नोट में मृतक ने लिखा है कि एलओ (लाइन ऑफिसर) फूल कुमार और ऊढ वरुण गोदारा ने सुखदेव सिंह को ड्यूटी पर नहीं लिया और पूरे दिन खड़ा रखा था। सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा, 'मैं दरिंदों से हार गया हूं।' उन्होंने अपने बेटे और परिवार से माफी मांगते हुए उनसे आगे सब कुछ संभालने की अपील की है।

सुखदेव सिंह ने एक और सुसाइड नोट छोड़ा है। इसमें जेल अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने लिखा कि सुबह माफी स्वीकार किए जाने के बावजूद उन्हें ड्यूटी पर तैनात नहीं किया गया। इससे वे मानसिक रूप से टूट गए और मजबूरन आत्महत्या करना पड़ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के परिजनों ने ऊढ और एलओ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का कहना है कि जब तक आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होती, वे शव नहीं लेंगे। मामला पुलिस विभाग के अंदर का है, जिसकी वजह से हड़कंप मच गया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

# धार्मिक स्थल की बारीकी के साथ पड़ताल की जाए तो सारी खामियां आएंगी खुलकर सामने ...

(जीएनएस)।

बाराबंकी । एक ओर सरकार धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए करोड़ों रुपए पानी की तरह बहो रही है वही महाभारत कालीन तीर्थ स्थले कुंतेश्वरे धाम में सुंदरीकरण के नाम पर ठेकेदार द्वारा चर्चा में जमकर अनियमितताए बरती गई है। सवाल ! देव स्थान के संदर्भ में बात करते हैं जिला मुख्यालय से करीब 42 किलोमीटर पूरबे रामनगर टिकैतनगरे रोड पर स्थित कस्बा बदोसराय के मुख्य चौराहे से 2 किलोमीटर उत्तर किन्तूर में महाभारत कालीन तीर्थ स्थले कुंतेश्वरे धाम स्थित है जहां पर समय समय प्रदेश के कोने-कोने से श्रद्धालु पहुंच करके माता कुंती द्वारा स्थापित अद्भुत शिवलिंग का जलाभिषेक करके मनोवांछित फल प्राप्त करते हैं इस तीर्थ स्थल की पौराणिकता व महत्ता को देखते हुए शासन स्तर से यहां के सुंदरीकरण के लिए लाखों रूपए की धनराशि अवमुक्त हुई थी । बड़ा आरोप ! जिसमें एक संस्था के ठेकेदार द्वारा सुंदरीकरण कराए जाने में जमकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है ।

` इस संबंध में कुंतेश्वरे उत्थान समिति के अध्यक्ष जयचंद यादव ने बीते दिनों में बताया कि यहां पर सोलर लाइटे शौचालय आरो प्लांटे बाउंड्री वाल आदि के निर्माण के लिए शासन स्तर लाखों रुपए की धनराशि अवमुक्त हुई थी जिसमें ठेकेदार द्वारा सुंदरीकरण के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग करते हुए बाउंड्री वाल में घटिया सामग्री का प्रयोग शौचालय के गड्ढे के नीव की नीचे से 8 फिट भराई `ऊपर साढ़े 9 फिट कर दी गई जिससे गड्ढे की दीवारें धसने लगी शौचालय का निर्माण जैसे तैसे ठेकेदार द्वारा कर दिया गया परंतु कौतुक प्रश्न ! जो चर्चा में उसे हैंडोवर अब तक के नहीं किया गया । यही नहीं लगाए गए आरो प्लांट से आज तक लोगों को एक बूंद पानी भी मयस्सर नहीं हो सका । फलस्वरूप गर्मी के मौसम में यहां आने वाले श्रद्धालुओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है यदि यहां पर कराए गए सुंदरीकरण की बारीकी के साथ पड़ताल की जाए तो सारी खामियां खुलकर सामने आ जाएंगी । समय के गर्भ में कब सुंदरीकरण कार्य पूर्ण होता है ?

# राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बड्डूपुर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किया:फतेहपुर में संघ की 100 वर्षों की यात्रा और सामाजिक भूमिका पर चर्चा






फतेहपुर (जीएनएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बड़ागांव मंडल ने शनिवार को बाराबंकी के बड्डूपुर स्थित भगवान चतुर्भुज मूर्ति स्वामी मंदिर धाम में एक हिंदू सम्मेलन गोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संघ की 100 वर्षों की यात्रा, उसकी सामाजिक भूमिका और भविष्य की दिशा पर विस्तार से चर्चा की गई।

गोष्ठी के मुख्य वक्ता सह जिला संचालक ओमप्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक नागरिक को समाज और राष्ट्र के लिए दिए गए बलिदानों पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने उन अनेक परिवारों का उल्लेख किया जिनके योगदान को इतिहास में उचित स्थान नहीं मिल पाया। इसी भावना के तहत भारत सरकार 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मना रही है। ओमप्रकाश ने धर्म की रक्षा हेतु गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को भी याद किया।

ओमप्रकाश ने आगे बताया कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने अंग्रेजों के जाने के बाद भी राष्ट्र को संगठित और सशक्त बनाए रखने की आवश्यकता महसूस की थी, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि संघ आज भारत के ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों को विश्व पटल पर पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के शिकागो प्रवचन का जिक्र करते हुए संगठन की आवश्यकता और सामूहिक चेतना पर जोर दिया।

सम्मेलन में संघ के 'पंच परिवर्तन' झ सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी जीवन शैली और नागरिक कर्तव्य झ पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भानु प्रताप सिंह ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष समाज जागरण और राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर डॉ. राम कुमार गिरि, महंत जयराम दास, शिव सागर और राम दास सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस गोष्ठी में अशोक कुमार वर्मा, मास्टर राम कुमार वर्मा, राम लक्ष्मण, संजय कुमार, धर्मेंद्र मौर्य, पवन सिंह, डीएम सिंह, मुकेश सिंह, रवि सिंह, विजय सिंह, जयचंद्र, राहुल कुमार, सोनू प्रजापति, राकेश कुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# 'भाजपा हफ्ताखोरी करती है, लूट मचाई है', अजित पवार ने सहयोगी भाजपा के खिलाफ क्यों खोला मोर्चा? लगाए गंभीर आरोप



(जीएनएस)। महाराष्ट्र में महानगरपालिका के चुनाव से पहले सत्ता में शामिल उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार में शामिल भाजपा पर सीधा आरोप लगाते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसके बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मच गया है। उनके इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में अचानक हलचल मचा दी है, क्योंकि पवार ने अचानक अपना तेवर बदल लिया है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता डिप्टी सीएम अजित पवार ने एक कार्यक्रम में भाजपा पर भ्रष्टाचार करने और हफ्तावसूली करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। अजित पवार ने पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका में भाजपा के सत्ता में आने के बाद "भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा" और "स्थानीय नेताओं की राक्षसी भूख" का जिक्र किया।

"भाजपा हफ्ताखोरी करती है, मेरे पास पुख्ता सबूत हैं"

अजित पवार ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका में जमकर पैसे लूटने और खुलेआम भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। पवार ने यह भी दावा किया कि बीजेपी हफ्ताखोरी में भी लिप्त है, और उनके पास इससे जुड़े सारे पुख्ता सबूत मौजूद हैं।

अजित बोले-आरोप लगाने वाले आज मेरे साथ?

इनता ही नहीं अजित पवार ने अपने ऊपर लगे 70, 000करोड़ रुपये के कथित आरोपों को लेकर तीखा कटाक्ष किया है। उन्होंने सवाल किया, "मेरे ऊपर भी 70,000 करोड़ रुपये के आरोप लगे थे। जिन लोगों ने मेरे ऊपर वे आरोप लगाए थे, क्या वे सब आज मेरे साथ हैं या नहीं?" पवार ने इस स्थिति को राजनीति का 'दोहरा चरित्र' करार दिया, जोर देकर कहा कि सत्ता और स्वार्थ के लिए सिद्धांतों को लगातार बदला जा रहा है।

"अब मैं किसी से डरने वाला नहीं"

उन्होंने भाजपा की राजनीतिक नैतिकता पर सीधे सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि अगर उन पर लगे आरोप सही थे, तो वही लोग अब उनके साथ क्यों खड़े हैं। अजित पवार ने कहा कि अब वो किसी से डरने वाले नहीं हैं और सच्चाई को सामने लाना जारी रखेंगे।

अजित पवार के अचानक बदले तेवर के क्या है मायने?

अजित पवार के अचानक बदले सुर से राजनीतिक हलकों में हैरानी है। ध्यान रहे हाल ही में पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका चुनाव के लिए अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के साथ नजर आए और मंच साझा किया। इसके बाद से अजित पवार के तेवर बदले हुए हैं। उनके विरोधी तेवर ने मौजूदा राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। याद रहे मुंबई में बीएमसी चुनाव के अलावा अन्य जगहों पर अजित पवार की एनसीपी महायुति में शामिल शिवसेना- भाजपा के सझ्थ नहीं अकेले चुनाव लड़ रही है। 15 जनवरी 2026 को होने वाले महानगरपालिका चुनाव में अजित पवार के उम्मीदवार भाजपा-शिवसेना उम्मीवदवार आमने-सामने होंगे।

अजित पवार के आरोपों पर क्र्या बोली भाजपा?

अब भाजपा की ओर से इन आरोपों पर प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने सीधा पलटवार करते हुए कहा है कि "अगर हम मुंह खोलेंगे, तो बहुत मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी," इस चेतावनी के साथ उन्होंने पवार को चुनौती भी दी।

पवार को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए थे, भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुळे नमीडिया से बातचीत में कहा, "महायुति के तीनों घटक दलों ने मिलकर यह तय किया है कि चुनावों के दौरान उनके मित्र दलों के बीच मतभेद और मनभेद उत्पन्न न हों। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सभी को इसका ध्यान रखना चाहिए।

बावनकुळे ने अजित पवार के बयान पर अप्रत्यक्ष रूप से असहमति जताई, कहा कि उन्हें नहीं पता कि पवार ने ऐसा क्यों कहा और उन्हें ऐसे बयान नहीं देने चाहिए थे।

# वाराणसी सरार्फा एसोसिएशन 500 जरुरत मंदों को कंबल वितरित कर चुका है

वाराणसी। वाराणसी सरार्फा एसोसिएशन काशी में पड़ रही भीषण ठंड व शीतलहरी को देखते हुए जरुरतमंद लोगों को 27दिसंबर से लगातार कम्बल वितरण कर रही है। एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष जी अग्रवाल के नेतृत्व में श्रीनाथजी मंदिर सुड़िया, काशी स्टेशन, सिटी स्टेशन, बनारस स्टेशन व कैंसर अस्पताल में जरूरतमंद लोगों को अब तक लगभग 500 कंबल वितरित किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से संतोष जी अग्रवाल, प्रद्युम्न जी अग्रवाल, संजय अग्रवाल 'बाबू भैया', रवि सर्राफ, अनिकेत चंद्र गुप्ता, अनिल चंचल, पंकज सर्राफ, जतिन रस्तोगी, राघव दवे, गणेश लाल कसेरा, विवेक अग्रवाल, महेंद्र जी, पवन मिश्रा आदि लोग शामिल रहे।